आरक्षति वन

प्रलिम्सि के लयि:

आरक्षति वन, संरक्षति वन, ग्राम वन, उष्णकटबिंधीय सदाबहार वन, अर्द्ध-सदाबहार वन, उष्णकटबिंधीय पर्णपाती वन, पर्वतीय वन, उष्णकटबिंधीय काँटेदार वन, दलदली वन।

मेन्स के लयि:

भारत में वनों के प्रकार और वनों के संरक्षण की आवश्यकता, भारत में वनों के संरक्षण के लयि उठाए गए कदम।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में दलि्ली सरकार ने दक्षणिी दलि्ली के दो गाँवों में वन भूमि को **'आरक्षति वन'** के रूप में अधसिूचति कयिा है।

- इसे भारतीय वन अधनियिम, 1927 की धारा 20 (आरक्षति वन की घोषणा) के तहत अधसिूचति कयिा गया था।

वनों के प्रकार:

- **आरक्षति वन:** आरक्षति वन सबसे अधकि प्रतबिंधति वन हैं और कसिी भी वन भूमि या बंजर भूमि जो कि सरकार की संपत्ति है, पर राज्य सरकार द्वारा गठति कयि जाते हैं।
  - आरक्षति वनों में कसिी वन अधकिारी द्वारा वशिष रूप से अनुमति के बिना स्थानीय लोगों की आवाजाही नषिदि्ध है।
- **संरक्षति वन:** राज्य सरकार को आरक्षति भूमि के अलावा कसिी भी भूमि का गठन करने का अधकिार है, जसि पर सरकार का मालकिाना अधकिार है और ऐसे वनों के उपयोग के संबंध में नयिम जारी करने की शक्ति है।
  - इस शक्ति का उपयोग ऐसे वृक्षों जनिकी लकड़ी, फल या अन्य गैर-लकड़ी उत्पादों में राजस्व बढ़ाने की क्षमता है, पर राज्य का नयिंत्रण स्थापति करने के लयि कयिा गया है।
- **ग्राम वन: ग्राम वन वे वन हैं जनिके संबंध में राज्य सरकार "कसिी भी ग्राम समुदाय को कसिी भूमि या आरक्षति वन के रूप में सूचीबद्ध भूमि के संबंध में सरकार के अधकिार सौंप सकती है।".**

भारत में वर्षा के आधार पर वनों का वर्गीकरण:

- **उष्णकटबिंधीय सदाबहार और अर्द्ध- सदाबहार वन:**
  - ये वन पश्चमिी घाट के पश्चमिी ढलान, पूर्वोत्तर क्षेत्र की पहाड़ियों और अंडमान एवं नकिोबार द्वीप समूह में पाए जाते हैं।
  - ये 200 सेमी. से अधकि वार्षकि वर्षा और 22 डग्रिी सेल्सयिस से ऊपर औसत वार्षकि तापमान के साथ गर्म व आर्द्र क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
  - उष्णकटबिंधीय सदाबहार वन अच्छी तरह से स्तरीकृत होते हैं, जनिकी परतें ज़मीन के करीब होती हैं और झाड़ियों एवं लताओं से ढकी रहती हैं, जनिमें छोटे संरचति पेड़ और पेड़ों की काफी अधकि ववधिता होती है।
  - इन जंगलों में पेड़ों की ऊँचाई 60 मीटर या उससे अधकि होती है। इन वनों में पत्तों के झड़ने, फूल आने और फल लगने का समय अलग-अलग होता है, इसलयि ये वर्ष भर हरे-भरे दखिाई पड़ते हैं।
  - इन क्षेत्रों के कम वर्षा वाले भागों में अर्द्ध-सदाबहार वन पाए जाते हैं। ऐसे वनों में सदाबहार और नम पर्णपाती वृक्षों का मशि्रण होता है। बढ़ती ऊँचाई और बढ़ते पर्वत इन वनों को एक सदाबहार गुण प्रदान करते हैं।
- **उष्णकटबिंधीय पर्णपाती वन:**
  - ये भारत में सबसे व्यापक वन हैं। इन्हें 'मानसूनी वन' भी कहा जाता है। ये प्रायः उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जहाँ वर्षा 70-200 सेमी के बीच होती है। जल की उपलब्धता के आधार पर इन वनों को नम और शुष्क पर्णपाती के रूप में वभिाजति कयिा जाता है।
- **पर्वतीय वन:**
  - पर्वतीय क्षेत्रों में बढ़ती ऊँचाई के साथ तापमान में कमी के कारण प्राकृतकि वनस्पतयिों में परविर्तन देखा जाता है।

- पर्वतीय वनों को दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है, उत्तरी पर्वतीय वन और दक्षिणी पर्वतीय वन।
- **उष्णकटिबंधीय काँटेदार वन:**
  - उष्णकटिबंधीय काँटेदार वन उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहाँ 50 सेमी. से कम वर्षा होती है। इनमें विभिन्न प्रकार की घास और झाड़ियाँ मौजूद होती हैं। इसमें दक्षिण पश्चिम पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के अर्द्ध-शुष्क क्षेत्र शामिल हैं।
  - इन वनों में पौधे वर्ष के अधिकांश भाग में पत्ती रहित झाड़ीदार वनस्पति के रूप में पाए जाते हैं।
- **दलदली वन:**
  - ये अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और गंगा व ब्रह्मपुत्र के डेल्टा क्षेत्र में पाए जाते हैं।
    - इसके अलावा महानदी, गोदावरी और कृष्णा डेल्टा जैसे क्षेत्रों में भी ये पाए जाते हैं।
  - इनमें से कुछ वन घने और अभेद्य हैं। इन सदाबहार वनों में सीमित संख्या में ही पौधे पाए जाते हैं।
  - इनमें जड़ें होती हैं, जिनमें नरम ऊतक मौजूद होते हैं ताकि पौधे पानी में साँस ले सकें।
  - इसमें मुख्य रूप से व्हिस्टलिंग पाइन, मैंग्रोव खजूर और बुलेटवुड शामिल होते हैं।

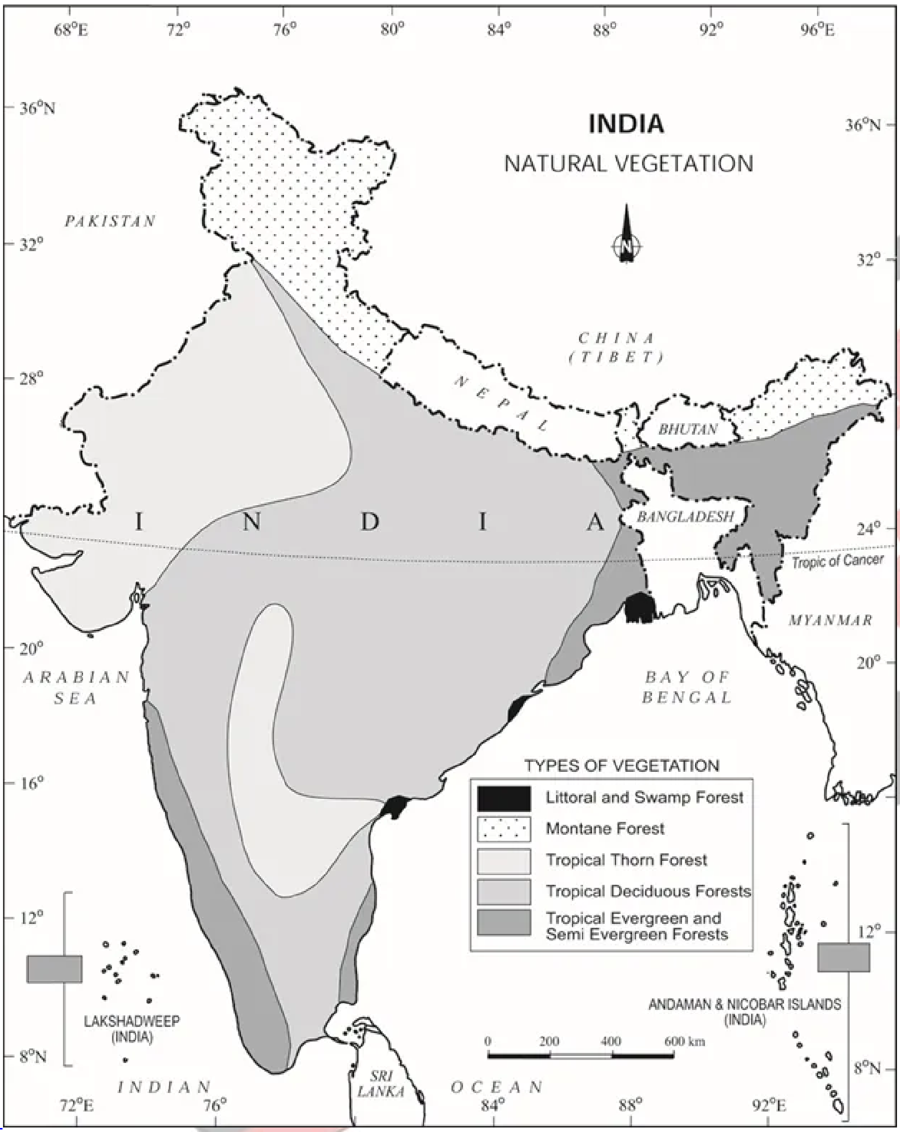

//

भारत में वनावरण की स्थिति:

- भारत वन स्थिति रिपोर्ट-2021 के अनुसार, पिछले दो वर्षों में 1,540 वर्ग किलोमीटर के अतिरिक्त कवर के साथ देश में वन और वृक्षों के आवरण में वृद्धि जारी है।
- मध्य प्रदेश में देश का सबसे बड़ा वन क्षेत्र है, इसके बाद अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और महाराष्ट्र हैं।
- कुल भौगोलिक क्षेत्र के प्रतिशत के रूप में वन आवरण के मामले में शीर्ष पाँच राज्य मिज़ोरम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर और नगालैंड हैं।
- वनावरण में सबसे अधिक वृद्धि दिखाने वाले राज्यों में तेलंगाना (3.07%), आंध्र प्रदेश (2.22%) और ओडिशा (1.04%) हैं।
- वनावरण में सबसे अधिक कमी पूर्वोत्तर के पाँच राज्यों- अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम और नगालैंड में हुई है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/reserved-forest